जगजननी जय जय माँ जगजननी जय आरती लिरिक्स

जगजननी जय जय,
माँ जग-जननी जय जय,
भयहारिणि भवतारिणि,
भवभामिनि जय जय,
ॐ जगजननी जय जय।bd।

तू ही सत चित सुखमय,
शुद्ध ब्रह्मरूपा,
सत्य सनातन सुंदर,
परशिव सुर भूपा,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

आदि अनादि अनामय,
अविचल अविनाशी,
अमल अनंत अगोचर,
अज आनंदराशी,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

अविकारी अघहारी,
अकल कलाधारी,
कर्ता विधि भर्ता हरि,
हर संहारकारी,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

तू विधिवधू रमा,
तू उमा महामाया,
मूल प्रकृति विद्या तू,
तू जननी जाया,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

राम कृष्ण तू सीता,
ब्रजरानी राधा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तू वाञ्छाकल्पद्रुम,
हारिणि सब बाधा,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

दशविद्या नवदुर्गा,
नाना शस्त्र करा,
अष्ट मातृका योगिनि,
नव नव रूप धरा,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

तू परधामनिवासिनि ,
माँ महाविलासिनि तू,
तू ही शमशान विहारिणि,
ताण्डवलासिनि तू,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

सुर मुनि मोहिनि सौम्या,
तू शोभाआधारा,
विवसन विकट सरूपा,
प्रलयमयी धारा,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

तू ही स्नेह सुधामयि,
तू अति गरलमना,
रत्नविभूषित तू ही,
तू ही अस्थितना,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

मूलाधार निवासिनि,
इह पर सिद्धिप्रदे,
कालातीता काली,
कमला तू वरदे,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

शक्ति शक्तिधर तू ही,
माँ नित्य अभेदमयी,
भेद प्रदर्शनी वाणी,
विमले वेदत्रयी,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

हम अति दीन दुखी माँ,
विपत जाल घेरे,
हैं कपूत अति कपटी,
पर बालक तेरे,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

निज स्वभाव वश जननी,
दया दृष्टि कीजे,
करुणा कर करुणामयी,
चरण शरण दीजे,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

जगजननी जय जय,
माँ जगजननी जय जय,
भयहारिणि भवतारिणि,
भवभामिनि जय जय,
ॐ जग-जननी जय जय।bd।

– Upload By –
Rahul Upadhyay
8707232607

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com